ANNUAL EVALUATION - 2024 VIII HINDI **Answer Key**

1. गुरुकुल से

2. मैं

3. **वाक्य पिरामिड**

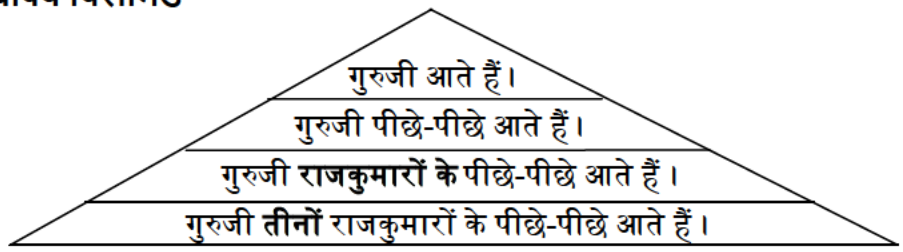

गुरुजी आते हैं।
गुरुजी पीछे-पीछे आते हैं।
गुरुजी **राजकुमारों के** पीछे-पीछे आते हैं।
गुरुजी **तीनों** राजकुमारों के पीछे-पीछे आते हैं।

4. लज्जित होना

5. **टिप्पणी - जल संरक्षण की आवश्यकता**

जल प्रकृति का वरदान है। जल के बिना धरती में जीना मुश्किल बन जाता है। समय-समय पर बरसात के ज़रिए तथा नदी, तालाब, नाले, झरने, समुद्र, कुएँ आदि से प्रकृति हमें आवश्यक जल देता रहा। पीने, नहाने, सफाई करने, निर्माण कार्य, खेती, खाना पकाने, कारखानों केलिए, बिजली के उत्पादन आदि केलिए हम जल का इस्तेमाल करते हैं। जल की आवश्यकता दिन-ब-दिन बढती जा रही है। लेकिन यह समझे बिना हम बडी मात्रा में जल का दुरुपयोग करते हैं तथा जलस्रोतों का नाश कर रहे हैं। जल आज हमारेलिए कीमती चीज़ बनती जा रही है, मोल देकर पानी खरीदना पडता है। जल नहीं है तो मनुष्य तथा अन्य जीव-जंतुओं का जीवन खतरे में पड जाएगा। इस भयंकर समस्या से बचने केलिए वर्षा से मिल रहे पानी को संजोके रखना चाहिए। जंगल-पेडों की कटाई रोककर अधिकाधिक पेड लगाना चाहिए, पहाडियों को गिराना और खेतों को मिटाना बंद करना चाहिए। जल संरक्षण केलिए उचित व्यवस्था करें तो आनेवाले दिनों में हमारेलिए प्रयास नहीं करना पडेगा। हमारेलिए और आगामी पीढी केलिए जल संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है।

अथवा

पोस्टर (संदेश) – **जल संरक्षण**

जल संरक्षण

जल जीवामृत है...
जल नहीं है तो कल नहीं।
जल का दुरुपयोग मत करो...
जल का उपयोग सावधानी से।

विश्व जल दिवस - मार्च 22

जलस्रोतों को प्रदूषित मत करो...
जल संरक्षण हमारा कर्तव्य

6. कभी भी झूठ नहीं बोलूँगा।

7. सुनसान

8. **बातचीत - माँ और अरुण गाँधी के बीच**

माँ : बेटा, इतनी देरी क्यों हुई ?
अरुण गांधी : पिताजी, शहर से घर तक पैदल चलने का निश्चय किया।
माँ : क्यों ? तूने क्या किया ?
अरुण गांधी : मैं पिताजी से झूठ बोला, इसलिए उन्होंने ऐसा किया।
माँ : पिताजी को बडा दुख हुआ होगा।
अरुण गांधी : हाँ माँ, मेरी गलती पर पिताजी ने अपने आपको सज़ा दी।
माँ : तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था।
अरुण गांधी : आगे से, मैं कभी झूठ नहीं बोलूँगा।
माँ : ठीक है बेटा, तू सो जा।

9. नर

10. परोपकारी

11. नरेश सक्सेना

12. ज़मींदारों की ओर, अमीरों की ओर, किसानों की शोषण करनेवालों की ओर

13. **कवितांश का आशय**

प्रस्तुत पंक्तियाँ हिंदी के प्रमुख कवि नरेश सक्सेना की सुंदर कविता इस बारिश में से ली गई हैं। इसमें एक किसान की दयनीय दशा का वर्णन है।

ज़मींदार के पास किसानों का ज़मीन जाने के साथ-साथ बारिश भी चली गई। अब आसमान में बादल किसान केलिए नहीं, ज़मींदार केलिए घिरते हैं। कोयलों का गाना और धरती की सीने से उठती सौधी सुगंध सब ज़मींदार केलिए हैं। किसानों का, जमीन से अटूट संबंध है। ज़मीन नष्ट होने पर किसानों का अस्तित्व भी नष्ट हो जाता है। यह उससे जीने की सब सपने छीन लेते हैं।

इस प्रकार आज के किसानों की कारुणिक दशा का सजीव चित्र कवि ने खींचा है। कविता बहुत ही आकर्षक बनी है। कविता में सरल भाषा का प्रयोग किया है।

14. आठ आने का सिक्का

15. लडका गुड खरीदने केलिए **अठन्नी** दुकानदार की गद्दी में फेंकी। पर खोजने पर **अठन्नी** नहीं मिला। इसलिए लडका परेशान हो गया।

16. **लडके की डायरी**

तारीख : .....

आज मेरे जीवन की सबसे दुख भरा दिन था। बहुत दिनों से मुझे गुड खाने की इच्छा थी। आज सोचा कि मेरी यह इच्छा सफल हो जाएगा। लेकिन क्या कहूँ, वह सपना सपना ही रह गया। नमक खरीदने बाज़ार जाते समय एक पैसा केलिए **ईश्वर** से प्रार्थना करता रहा। ठीक उसी समय ज़मीन से एक **अठन्नी** पडी मिली। खुशी का ठिकाना न था। अफसोस है कि दुकानदार को देते समय वह **अठन्नी** हाथ से खिसक गया, धनिया के डिब्बे में। ढूँढने पर एक चिकना-सा पत्थर ही मिला। दुकानदार ने कहा कि मुफ्त में ले लो। लेकिन मन नहीं हुआ। दुखी मन से नमक खरीदकर मैं वापस घर पहुँचा। मैं इतना निराश हूँ कि आगे **ईश्वर** से कुछ नहीं माँगूँगा।

अथवा

मित्र के नाम लडके का पत्र

स्थान : .....

तारीख : .....

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो ? कुशल हो न ? मैं यहाँ ठीक हूँ। एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रहा हूँ।

बहुत दिनों से मुझे गुड खाने की इच्छा थी। आज सोचा कि मेरी यह इच्छा सफल हो जाएगा। लेकिन क्या कहूँ, वह सपना सपना ही रह गया। नमक खरीदने बाज़ार जाते समय एक पैसा केलिए **ईश्वर** से प्रार्थना करता रहा। ठीक उसी समय ज़मीन से एक **अठन्नी** पडी मिली। खुशी का ठिकाना न था। अफसोस है कि दुकानदार को देते समय वह **अठन्नी** हाथ से खिसक गया, धनिया के डिब्बे में। ढूँढने पर एक चिकना-सा पत्थर ही मिला। दुकानदार ने कहा कि मुफ्त में ले लो। लेकिन मन नहीं हुआ। दुखी मन से नमक खरीदकर मैं वापस घर पहुँचा।

वहाँ तुम्हारी खबर क्या-क्या हैं ? तुम्हारे परिवारवालों से मेरा प्रणाम कहना। जवाब की प्रतीक्षा में,

तुम्हारा मित्र

(हस्ताक्षर)

नाम

सेवा में,
नाम,
पता।

17. दौडते हैं ।

18. **सही मिलान**

संतोष यादव के पिताजी	सेना में काम करते थे ।
पाँचवीं तक संतोष यादव	गाँव के स्कूल में पढती थी ।
एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचने में	संतोष यादव सफल हो गई ।
एक सफल पर्वतारोही को	संतुलित दिमागवाला होना है ।

अथवा

रपट

संतोष यादव माउंट एवरेस्ट की चोटी पर दुबारा

स्थान : भारत की महिला पर्वतारोही संतोष यादव 1993 में दूसरी बार एवरेस्ट की चोटी पर पहुँच गई । उन्होंने 8,848 मीटर की ऊँचाई पर चढकर एवरेस्ट की चोटी पर दो बार चढनेवाली पहली भारतीय महिला का श्रेय प्राप्त किया है । वॉकी-टॉकी फोन के ज़रिए एवरेस्ट पहुँचने की सूचना दी गई । बिना कोई डर के एवरेस्ट की चोटी पर चढनेवाली महिला पर्वतारोही होने का गौरव उन्होंने प्राप्त कर लिया । बर्फ से ढकी चोटियों को समझने की इच्छा ने उसे माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुँचाया । सबकी तरफ से उन्हें बधाइयाँ मिलीं । इस तरह की महिला हमारी शान है । भारत सरकार ने इस निडर महिला केलिए पाँच लाख रुपए के इनाम की घोषणा की है ।

19. **चार सही प्रस्ताव**

* बचपन से संतोष यादव बडी जिज्ञासु थी ।
* संतोष यादव ने कॉलेज में पढते समय पहली बार हिमालय देखा ।
* संतोष यादव भूमि को स्वर्ग कहलाना चाहती है ।
* संतोष यादव अपने पाँच भाइयों के बीच की लाडली थी ।

-oOo-

SREEJITH.R, KOYODE, VARKALA